an>

Title: Need for clinical trial of yogic medicines.

श्री धर्म वीर गांधी **(**पटियाला**):** माननीय अध्यक्ष जी, आज विज्ञान का युग है। कोई भी दवाई या मालीक्यूल मार्किट में आता है, उसे कठिन मापदंडों से होकर, वैज्ञानिक परीक्षणों से गुजरना पड़ता है। पहले एनीमल ट्रायल होते हैं फिर थ्री स्टेज ह्यूमैन ट्रायल होते हैं तब जाकर वह मार्किट में आता है। मैं नाम नहीं लेना चाहता हूं, हमारे देश में आध्यात्मिक और योगा गुरुओं द्वारा हजारों करोड़ों रुपए का दवाई का बिजनैस खुलेआम हो रहा है। इनका कोई वैज्ञानिक परीक्षण नहीं हुआ है जिससे पता चल सके कि यह मनुष्य के लिए कितनी घातक है, इसके कितने फायदे या नुकसान हैं। मेरी मांग ये सभी दवाइयां मार्किट से हटाई जाएं और इनका कठिन वैज्ञानिक परीक्षण कराया जाए। यह देश के लोगों का आर्थिक शोषण है, उनकी सेहत के लिए खतरा है।